दैनिक नवज्योति

राजस्थान पत्रिका

अनगूंज की संगीत संध्या में शास्त्री गायन प्रस्तुत करता किशोर: क्षितिज तारे

क्षितिज के शास्त्रीय गायन ने चमकृत किया

(कार्यालय संवाददाता)

कोटा, 3 अक्टूबर। उचित मार्गदर्शन एवं सुविधाओं के कई बार नवोदित कलाकार राष्ट्रीय अन्तरराष्ट्रीय, स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल नहीं हो पाते अत: एसे प्रयास होने चाहिए कि उभरती हुई प्रतिभा अपना विकास कर सके तथा अपनी पहचान बना सके। ये उद्‌गार अनुमूंज संस्था द्वारा एलबर्ट आइस्टाइन स्कूल में आयोजित संगीत संध्या में किशोरवय कलाकार क्षितिज तारे के एकाकी गायन के बाद मुख्य अतिथि के रूप में संकल्प संस्था के संस्थापक एस.एस. पांडे ने व्यक्त किए। उनकी इस बात को बल देते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष महापौर ईश्वर लाल साहू ने कहा कि अगर संगीत से जुड़े लोग किसी ठोस कार्य योजना को लेकर आगे आएंगे तो उनके लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

इससे पूर्व तानपूरे के साथ राग विहाग के बड़ा खयाल 'कैसे सुख सोए निदरिया' [illegible]ए किशोरवय के कलाकार क्षितिज तारे ने श्रोताओं को झकझोर कर रख दिया, सुरों की सच्ची पकड़ उसका विस्तार और अलापों ने उसकी सच्ची सुर साधना का परिचय कराया। मार्मिक स्थलों पर सुरों का चयन लयकारी और बोल बांट पर एक बारगी संगीत के जानकार लोगों को चमकृत कर दिया। इसी राग में छोटे खयाल 'लट उलझी सुलझा जा रे' के बोल जब गूंजे तो उस समय तक पांडाल का माहौल पूरी तरह गदमा गया। क्षितिज ने गायन की विभिन्न शैलियों में अपना दखल प्रमाणित करते हुए पंजाबी ठुमरी कदर ना जानी बलमवा पूरी पंजाबी रंग में डूब कर प्रस्तुत की और श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया। इसके बाद क्षितिज ने हारमोनियम हाथ में लेना गायन की एक और शैली गजल गायन में अपने हाथ दिखाए। अपनी ही धुनों पर से सजाई एक के बाद एक तीन गजलें प्रस्तुत कर अपनी संयोजन क्षमता का प्रदर्शन किया। जान ले लेगा मेरी रूठकर जाना तेरा, हम तेरे शहर में आए है, मुसाफिर की तरह और हम तेरे शहर के उजाले है गजलों ने उसकी चयन क्षमता को भी उजागर किया। गजलों में तान अलाव, मुरली आदि का प्रयोग बड़ी चैनदारी के साथ किया गया। लगभग डेढ़ घंटे की अपनी एंकाकी प्रस्तुति का समापन भी क्षितिज ने गायन की मंचीय तहजीव का पालन करते हुए राग भैरवी में एक भजन 'सैया निकस गए मैं ना लड़ी थी' के साथ

अनुगूंज की संगीत संध्या सम्पन्न

किया। इस समारोह में क्षितिज के द्वारा संगीत बद्ध किए एक भजन केसेट संत गजानन वर दे, आगन्तुक विशिष्ट मेहमानों को स्मृति चिन्ह स्वरूप भेंट किया गया। समारोह में अनुगूंज के संरक्षक डॉ. गणेश तारे ने बाल प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए अपना मंच एवं सहयोग देने का वादा किया। समारोह में श्रीमती अरुण अग्रवाल, प्रो. डी.वी. मुजुमदार तथा दशहरा मेला अध्यक्ष सुनील जैन के अलावा नगर के कई संगीत प्रेमी उपस्थित थे। क्षितिज के साथ हारमोनियम पर उनके गुरु संगीतज्ञ महेश चन्द शर्मा तथा तबले पर जगदीश राव ने संगत की। संचालन महेन्द्र शर्मा ने किया।

कोटा के अल्बर्ट आइंस्टाइन स्कूल में मंगलवार को कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए क्षितिज तारे।

क्षितिज ने गायन के कई पक्षों का छुआ

[कार्यालय संवाददाता]

कोटा, 3 अक्टूबर। 'अनुगूंज' संस्था की ओर से मंगलवार की रात अल्बर्ट आइंस्टाइन सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में आयोजित संगीत संध्या में कोटा के क्षितिज तारे ने शास्त्रीय गायन की कई बदिशें प्रस्तुत की।

तारे ने प्रारम्भ में राग विहाग में बड़े ख्याल 'कैसे सुख सोएं निदरिया' व राग विहार के छोटे ख्याल 'लट उलझी सुलझा' की प्रस्तुति दी। इसके बाद सुगम संगीत में कदर न जानी बलमवा ठुमरी पंजाब अंग की प्रस्तुति की। ठुमरी गायन में श्रोताओं ने मुर्कियों खटकों आदि के प्रयोग को सराहा। गजलों में जान ले लेगा मेरी रूठकर जाना तेरा व हम तेरे शहर में आए हैं मुसाफिर की तरह को भी खूब दाद मिली। आठ बजे शुरू हुआ यह कार्यक्रम करीब ग्यारह बजे तक चला।

कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि संकल्प संस्था की जयपुर शाखा के संस्थापक एस.एस. पांडे ने नए कलाकारों को स्थानीय स्तर पर प्रोत्साहन देने की जरूरत बताते हुए क्षितिज तारे जैसे लोगों का मार्गदर्शन करने की अपील संगीत से जुड़े लोगों से की। इस अवसर पर महापौर ईश्वरलाल साहू भी उपस्थित थे।

क्षितिज तारे का शास्त्रीय, उप शास्त्रीय गायन

हारमोनियम : माननीय श्री महेश चंद्र शर्मा, अध्यक्ष, संकल्प, कोटा
तबला : श्री जगदीश राव, जे.डी.बी. कॉलेज, कोटा
दिनांक : मंगलवार 2 अक्टूबर, 2001 समय : सायं 7 बजे से
स्थान : एलबर्ट आइंस्टाइन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम के पास, बसंत विहार, कोटा

दैनिक भास्कर

क्षितिज में संगीत की अनेक सम्भावनाएं

कोटा, 3 अक्टूबर। क्षितिज तारे शास्त्रीय एवं उप-शास्त्रीय गायन में अनंत संभावनाओं का नवोदित कलाकार है।

किशोर उम्र में शास्त्रीय गायन की अदभुत समझ से ओत-प्रोत यह बालक केवल स्थानीय स्तर का कलाकार बनकर नहीं रह जाए ऐसा प्रयास संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोगों को करना चाहिए। यह विचार संकल्प शाखा जयपुर के संस्थापक एस.एस.पांडे ने आज व्यक्त किए। एलबर्ट आइंस्टाइन सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में आयोजित संगीत संध्या में क्षितिज तारे के गायन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया था। महापौर ईश्वर लाल साहू ने कहा कि कोटा में उभरती प्रतिभाओं को विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। यदि संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोग किसी ठोस कार्य योजना के साथ सम्पर्क करें तो इस दिशा में प्रयास किया जा सकता है।

कार्यक्रम में क्षितिज तारे ने शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया। आभार प्रदर्शन श्रीमती सुषमा तारें ने किया। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र शर्मा ने किया।

... में आयोजित संगीत संध्या में कार्यक्रम प्रस्तुत करते क्षितिज तारे। भास्क